

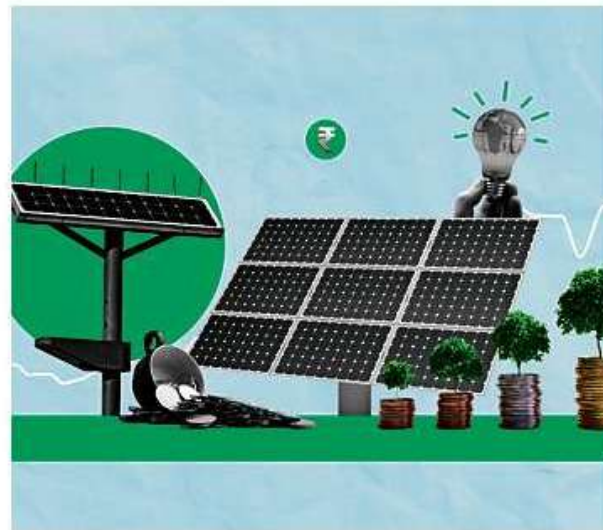
# पीएम सूर्य घर में जीएसटी की दरें हुईं कम, सस्ता हुआ आरटीएस लगवाना

## तीन हजार से लेकर नौ हजार तक सस्ता हुआ रूफ टाप सोलर

अशू दीक्षित • जागरण

लखनऊ: पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत रूफ टाप सोलर लगवाना पहले से और सस्ता हो गया है। 22 सितंबर से जीएसटी की दरें कम होने से रूफ टाप सोलर (आरटीएस) तीन हजार से नौ हजार रुपये प्रति किलो सस्ता हुआ है। जीएसटी की नई स्लैब लागू होने के बाद रूफ टाप सोलर लगवाना थोड़ा और सस्ता हो जाएगा। उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (यूपीनेडा) का मानना है कि पितृपक्ष में पीएम सूर्य घर लगवाने का ग्राफ थोड़ा कम हुआ है, जीएसटी की दरें कम होते ही कई गुणा तेजी से बढ़ेगी। वेंडर इसको लेकर उत्साहित भी हैं। प्रतिदिन हजारों आवेदन पीएम सूर्य घर के आ रहे हैं।

यूपीनेडा के अधिकारी कहते हैं कि जीएसटी स्लैब कम होने से पीएम सूर्य घर के अंतर्गत सोलर की लागत कम हुई है। यह 22 सितंबर तक और स्पष्ट हो जाएगा। इसको लेकर वेंडर अभी से तैयारियां कर रहे हैं, क्योंकि लोगों के घरों का बजट बचाने में रूफ टाप सोलर वर्तमान में अहम भूमिका निभा रहा है। अब एक से



जीएसटी के स्लैब में बदलाव होने से आरटीएस की कीमत में थोड़ा फर्क आया है। इसको लेकर आवेदनकर्ताओं में उत्साह है। इसका दूरगामी फायदा देखने को मिलेगा। वेंडर भी अभी से तैयारी कर रहे हैं। 22 सितंबर से स्थिति और स्पष्ट हो जाएगी।

—इंद्रजीत सिंह, निदेशक, यूपीनेडा।

### कुछ इस तरह मिल रही है सब्सिडी

| किलोवाट | सब्सिडी  | लागत अभी तक | नई लागत  |
|---------|----------|-------------|----------|
| एक      | 45 हजार  | 15 हजार     | 12 हजार  |
| दो      | 90 हजार  | 30 हजार     | 24 हजार  |
| तीन     | 1.08 लाख | 72 हजार     | 63 हजार  |
| चार     | 1.08 लाख | 1.32 लाख    | 1.23 लाख |
| पांच    | 1.08 लाख | 1.92 लाख    | 1.83 लाख |
| छह      | 1.08 लाख | 2.52 लाख    | 2.43 लाख |
| सात     | 1.08 लाख | 3.12 लाख    | 3.03 लाख |
| आठ      | 1.08 लाख | 3.72 लाख    | 3.63 लाख |
| नौ      | 1.08 लाख | 4.32 लाख    | 4.23 लाख |
| दस      | 1.08 लाख | 4.92 लाख    | 4.83 लाख |

नोट : यूपीनेडा के मुताबिक उपरोक्त लागत अनुमानित है, यह अतिरिक्त परिवहन और लाजिस्टिक के अनुसार भिन्न हो सकती है।

तीन किलोवाट तक आरटीएस लगवाने में कीमत कम होने से लोगों में उत्साह है। आरटीएस को लेकर यूपीनेडा व उससे अधिकृत

एजेंटों के पास जानकारी लेने वालों की संख्या बढ़ गई है। यह लोगों के घर के बजट को कम करेगा वहीं पर्यावरण के लिए भी बेहतर होगा।